वर्ष: 01 अंक: 08

एक कदम पारदर्शिता की ओर

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग

न्यूजलेटर - दिसंबर - 2021

National Commission For Scheduled Castes
5th Floor, Lok Nayak Bhawan, Khan Market,
New Delhi-110 003

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग

न्यूजलेटर

वर्ष: 01 अंक: 08 दिसंबर 2021

संपादक

राजेश रंजन सिंह

ई–मेल : singh.rr9@gmail.com

@srajeshranjan

हम साल 2022 में प्रवेश कर चुके हैं। बीते साल कोरोना वायरस संक्रमण के कारण काफी समस्याएं आईं। फिर भी राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने अनुसूचित जाति के लोगों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए। और इन सबको हमने अपने न्यूजलेटर के जरिए लोगों तक पहुंचाया। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की ओर से अभी तक न्यूजलेटर के सात अंक सफलतापूर्वक प्रकाशित किए जा चुके हैं। आयोग के माननीय अध्यक्ष महोदय के निर्देशानुसार लगातार न्यूजलेटर प्रकाशित किया जा रहा है। इस बार हम न्यूजलेटर का आठवां अंक प्रकाशित कर रहे हैं। हम आशा करते हैं कि नया साल आप सभी के लिए नई आशाएं लेकर आए। हम आशा करते हैं कि नये साल 2022 में भी आप न्यूजलेटर को सफल बनाने के लिए पूर्ववत सहयोग करते रहेंगे।

नए साल 2022 की आप सभी को बहुत-बहुत बधाई और ढेर सारी शुभकामनाएं!

धन्यवाद

(संपादक)

किसी भी प्रकार के सुझाव और शिकायतों के लिये संपर्क करें:

011 - 24620435 & 24606802

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

भारत सरकार

5th Floor, Lok Nayak Bhawan, Khan Market,
New Delhi - 110003

website: http://ncsc.nic.in

ऑनलाइन शिकायत यहां दर्ज करें:

https://ncsc.negd.in/

National Commission for Scheduled Castes

SHRI VIJAY SAMPLA
CHAIRMAN

SHRI ARUN HALDER
VICE-CHAIRMAN

DR. ANJU BALA
MEMBER

SHRI SUBHASH RAMNATH PARDHI, MEMBER

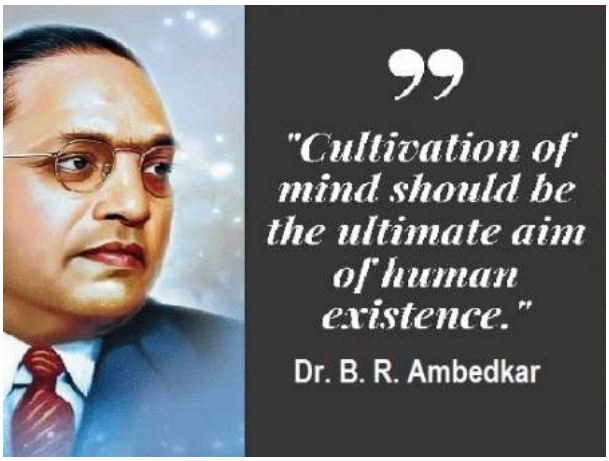

@NCSC_GoI @NCSC.GoI @ncsc_goi

माननीय अध्यक्ष का सन्देश

विजय सांपला

अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग द्वारा प्रकाशित न्यूजलेटर के आठवें अंक के लिए यह संदेश लिखते हुए मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। आयोग अपने न्यूजलेटर के माध्यम से लोगों को यह बताने के लिए लगातार प्रयासरत है कि आयोग अनुसूचित जाति वर्ग को न्याय दिलाने की प्रतिबद्धता व वचनबद्धता को निभाने के लिए काम कर रहा है। आठवें अंक के प्रकाशित होने के साथ हम नये वर्ष 2022 में प्रवेश कर चुके हैं। ऐसे में नई खुशी, व नये उत्कर्ष की आकांक्षा स्वयं के लिए व देशवासियों के लिए प्रबल होना स्वाभाविक है।

मानव प्रकृति है कि नये वर्ष में लोगों द्वारा लिया जाने वाला संकल्प व्यक्ति केंद्रित होता है। इस बार नये वर्ष पर लिए जाने वाले संकल्प को 'समाज केन्द्रित' बनाएं और यह संकल्प लें कि संविधन की प्रस्तावना के 'मास्टर ग्लैंड्स' 'न्याय, स्वतंत्राता, समता, बंधुता' को सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयास में सहभागी बनकर अपना योगदान दें। ताकि समाज के सभी तबकों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा सके। बाबा साहब आंबेडकर भी ऐसा ही चाहते थे। इसलिए समाज के सभी लोगों को ऐसा प्रयास करना चाहिए कि समाज में सामाजिक समानता कायम रहे।

आयोग लगातार अनुसूचित जाति के लोगों को न्याय दिलाने के लिए देश के विभिन्न राज्यों में स्पॉट विजिट से लेकर आयोग मुख्यालय में जनसुनवाई तक कर रहा है। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से मिली घटनाओं की जानकारी पर भी आयोग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित सरकारों और प्रशासन से जवाब मांगा जाता है। न्यूज लेटर के जरिए हमारी कोशिश रहती है कि लोगों तक आयोग द्वारा लिए गए फैसलों और गतिविधियों के बारे में जानकारी समय-समय पर पहुंचती रहे।

आप सबको नव वर्ष 2022 की बधाई देते हुए आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य एवं सुन्दर भविष्य की कामना करता हूं।

जय हिंद !

सादर धन्यवाद

विजय सांपला

@thevijaysampla

अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोग कर रहा हर संभव प्रयास

बीते माह दिसबंर में अंतर्राष्ट्रीय आंबेडकर कॉन्क्लेव 2021 का आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव का उद्घाटन माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी ने किया। इस कॉन्क्लेव में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री विजय सांपला जी ने भी शिरकत की। अपने संबोधन के दौरान माननीय राष्ट्रपति ने कहा कि यह मंच लगातार सामाजिक और आर्थिक न्याय के मुद्दों को उजागर कर रहा है और डॉ आंबेडकर के विचारों को फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्हें यह जानकर भी खुशी हुई कि यह सम्मेलन संवैधानिक अधिकारों के मुद्दे के साथ.साथ शिक्षाए उद्यमिताए नवाचार और आर्थिक विकास पर केंद्रित है।

माननीय राष्ट्रपति ने संबोधन में कहा कि, ''बाबा साहब भारत माता के सच्चे पुजारी थे। वे भारतीयता के अविचल पुरोधा थे। बाबा साहब की सोच में भारतीयता के समक्ष जाति, धर्म और संप्रदाय का कोई स्थान नहीं था। आप सबकी यह ज़िम्मेदारी है कि अनुसूचित जातियों व जन-जातियों के जो लोग आपसे पीछे रह गए हैं उन्हें भी आप आगे बढ़ाएं। ऐसा करके ही आप बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धा व्यक्त कर सकेंगे।"

हमारे संविधान में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के हितों की रक्षा के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। संविधान का अनुच्छेद 46 निर्देश देता है कि राज्य अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के शैक्षिक और आर्थिक हितों का विशेष ध्यान से विकास करेगा।

साथ ही इस लेख में राज्य को सामाजिक अन्याय और सभी प्रकार के शोषण से बचाने का निर्देश दिया गया है। इन दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए कई संस्थान और प्रक्रियाएं स्थापित की गई हैं। बहुत सुधार हुआ है। लेकिन, हमारे देश और समाज को अभी बहुत कुछ करना बाकी है।

वंचित वर्गों के बहुत से लोग अपने अधिकारों और उनके कल्याण के लिए सरकार की पहल से अवगत नहीं हैं। इसलिए, इस फोरम के सदस्यों की यह जिम्मेदारी है कि वे उन्हें उनके अधिकारों और सरकार की पहल के बारे में जागरूक करें। यह उनकी भी जिम्मेदारी है कि वे अनुसूचित जाति और जनजाति के उन लोगों को आगे ले जाएं जो विकास यात्रा में पीछे छूट गए हैं, इस तरह वे डॉ अम्बेडकर को अपनी सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं।

इस मौके पर माननीय आयोग अध्यक्ष ने भी विचार रखे। उन्होंने बताया कि किस प्रकार राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को न्याय दिलाने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के बावजूद भी आयोग निरंतर स्पॉट विजिट से लेकर आयोग मुख्यालय के आयोग के दूसरे कार्यालयों के जरिए जनसुनवाई कर अनुसूचित जाति के लोगों को जल्द न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

जाति और पंथ के आधार पर चाय परोसने पर आयोग की सख्ती

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के माननीय उपाध्यक्ष श्री अरुण हालदार ने तमिलनाडु में जिला समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्हें बताया गया कि एक ऐसा गांव है जहां आज तक निचली जाति के लोगों को प्रवेश की अनुमति नहीं है और अपनी जाति और पंथ के आधार पर चाय परोसी जाती है। इसलिए माननीय उपाध्यक्ष ने खुद उसी गांव में जाकर यह घोषणा करते हुए एक बड़ा कदम उठाया कि वह एक एससी हैं और संदिग्धों को भी उपस्थित होने के लिए कहा गया था। आयोग इस प्रकार के भेदभावपूर्ण व्यवहार की कड़ी निंदा करता है। साथ ही दोषियों पर कार्यवाई हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

आयोग ने किया जम्मू दौरा

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की टीम ने दिसंबर माह में जम्मू का दौरा किया। जम्मू दौरे का नेतृत्व राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की माननीय सदस्या डॉ. अंजू बाला ने किया। यहां पर उन्होंने कई विभागों के साथ मीटिंग की।

उनकी अध्यक्षता में आयोग ने जम्मू में राज्य सरकार के प्रमुख सचिव, एग्रीकल्चर व सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अनुसूचित जातिवर्ग से संबंधित मामलों पर चर्चा कर न्यायोचित समाधान हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

साथ ही जम्मू में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड के अनुसूचित जाति के संगठनों के प्रतिनिधियों एवमं कम्पनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की।

रायपुर एम्स हॉस्पिटल में अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण का मामला

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की टीम ने बीते माह में छत्तीसगढ़ राज्य का दौरा किया। राज्य के दौरे का नेतृत्व राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के माननीय सदस्या श्री सुभाष रामनाथ पारधी ने किया।

इस दौरान उन्होंने रायपुर एम्स हॉस्पिटल में अनुसूचित जाति वर्ग के कर्मचारियों के आरक्षण को लेकर समीक्षा बैठक की। साथ ही बैठक कर कर्मचारियों की समस्याएं सुनी। उनके समाधान संबंधित विषयों पर विचार विमर्श भी किया।

आयोग की छठी बैठक संपन्न

छठे आयोग का गठन फरवरी 2021 में किया गया था। गठन के बाद से अभी तक आयोग की छह बैठकें हो चुकी हैं। 13 दिसंबर 2021 को आयोग की छठी बैठक का आयोजन किया गया।

यह बैठक आयोग मुख्यालय में हुई। इस बैठक में माननीय अध्यक्ष श्री विजय सांपला, माननीय उपाध्यक्ष श्री अरूण हालदार, माननीय सदस्या डॉ. अंजू बाला व माननीय सदस्य श्री सुभाष रामनाथ पारधी मौजूद रहे। साथ ही ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह, डायरेक्टर कौशल कुमार समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

इस बैठक में आयोग के कामों को लेकर चर्चा की गई। बता दें कि इससे पहले भी आयोग पांच बैठकें हो चुकी हैं। पहली बैठक 17 मार्च 2021, दूसरी बैठक 1 अप्रैल 2021, तीसरी बैठक 23 अगस्त 2021 को, चौथी बैठक 20 सितंबर 2021 को और पांचवी बैठक 11 अक्टूबर 2021 को हुई थी।

महापरिनिर्वाण दिवस पर बाबा साहब को श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के मुख्यालय में बाबा साहब के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। बाबा साहब के 66वें महापरिनिर्वाण दिवस पर माननीय सदस्य श्री सुभाष रामनाथ पारधी ने अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ मिलकर पुष्पांजलि अर्पित की। माननीय सदस्य ने कहा कि बाबा साहब ने अपना सम्पूर्ण जीवन सामाजिक न्याय के लिए समर्पित किया। हमें भी उनके विचारों को अपने जहन में उतारना चाहिए। बता दें कि बाबा साहब आंबेडकर की पुण्यतिथि को ही महापरिनिर्वाण दिवस कहा जाता है। उनका महापरिनिर्वाण दिवस पर हर वर्ष छह दिसंबर को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। बाबा साहब आंबेडकर का निधन 6 दिसंबर 1956 को उनके दिल्ली स्थित आवास पर हुआ था।

आयोग से दो कर्मचारी हुए सेवानिवृत

दिसंबर माह के अंतिम दिन आयोग से दो कर्मचारी सेवानिवृत हुए। इनमें प्रदीप सिंह मेहता रिसर्च ऑफिसर के पद पर और सूरज लाल एमटीएस के पद पर कार्यरत थे।

इन कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में आयोग मुख्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री विजय सांपला ने दोनों सेवानिवृत कर्मचारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

दैनिक भास्कर **फिरोजपुर भास्कर** 07-12-2

डॉक्टर अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न जगहों पर

डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय के सिद्धांत को अधिकारों के लिए जागरूक किया : वि

डॉ. अंबेडकर मसीहा व समा

NCSC to resolve 400 more cases related to Scheduled Castes in Kerala

Thiruvananthapuram, Dec 27 (UNI) National Commission of Scheduled Castes (NCSC) Vice Chairman Arun Halder on Monday said around 400 new cases related to land issues criminal offences and service matters pertaining to Scheduled Castes in Kerala will be resolved soon. Addressing a press conference here, he said 605 pending cases from the state were resolved by the Commission which will work shoulder to shoulder with State Government to ensure justice to grievances of Scheduled Castes.

Arun Halder also said that if any complaint regarding misappropriation of Central funds marked for Scheduled Castes in any State come to its notice, the Commission will take adequate action.

Tags: #NCSC to resolve 400 more cases related to Scheduled Castes in Kerala **Please log in to get detailed story.**

NCSC assures help to family of murdered sanitary worker, daughter

SPECIAL CORRESPONDENT

RAMANATHAPURAM, DECEMBER 25, 2021 16:51 IST
UPDATED: DECEMBER 25, 2021 17:45 IST

SHARE ARTICLE PRINT A | A | A

Compensation would be given to the kin of the deceased, says official

The National Commission for Scheduled Castes (NCSC) vice-chairman Arun Halder has given an assurance of help to the family of a railway sanitary worker, who along with her daughter was found murdered at her dwelling in Mandapam on December 9.

The NCSC had taken note of the issue based on n
visit the hamlet.

Speaking to reporters, Mr. Halder said he had hel
Superintendent of Police E. Karthik and Ram
Lal Kumawat on the steps taken in this hein

The officials briefed about the arrest of two
properties, which were allegedly missing fr
about the compensation being given to the
said they were yet to be released, Mr. Halder
given in a week or 10 days upon receipt of a

अग्रण नागर व अन्य पदाधिकारी • जालंधर

निर्माता और वैश्विक नेता थे आंबेडकर : सांपला

हरियावल पंजाब के अध्यक्ष ने कहा, बाबा साहेब की जीवनी हर व्यक्ति को पढ़नी चाहिए

संवाद सूत्र, फिरोजपुर कैंट: सामाजिक समरसता मंच फिरोजपुर की ओर से भारत रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय शीतला माता मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया

मंदिर में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला और हरियावल पंजाब संगठन के अध्यक्ष रामगोपाल कर की फोटो पर फूलमालाएं अर्पित करते हुए। (दा)। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोग• जालंधर

Hindustan Times

National SC commission seeks report from Haryana Police

HT Correspondent
letterschd@hindustantimes.com

CHANDIGARH: The National Commission for Scheduled Castes (NCSC) on Friday asked the Haryana Police to take strict action against those behind lynching a man at a farmers' protest venue at Kundli near the Delhi-Haryana border. NCSC chairperson Vijay Sampla also sought a preliminary report from the Haryana Police within 24 hours.

A man was lynched, his hand chopped off and the body tied to a metal barricade at a farmers' protest venue at Kundli near the Delhi-Haryana border, a gruesome incident being blamed on a group of Nihangs. Sampla said the man identified as Lakhbir Singh belonged to the Scheduled Caste (SC) community.

Condemning the violence, Sampla termed it a heinous "Talibani crime".

Sampla said: "After watching a video that went viral, it seems activists of the farmers' organisations sitting on the protest have no fear of the law. No matter how big the mistake, no one has the right to kill anybody," Sampla said.

"Singhu Border is the main hub of the farmers' protest where the leaders and workers of various organisations have deployed 24-hour security. Even then, the Dalit man was brutally beaten, his had chopped off, brought near the same platform and then tied up with a rope and hung upside down, while the activists of farmer organisations acted as mute spectator," said Sampla.

He said the leaders of SKM, who immediately gives press statements even on small matters, took 12 hours to hold a press conference on the murder of the Dalit man.

(With PTI inputs)

CSC notice to Tirupur

Mail Print A A

notice to Tirupur Collector and Superintendent of ing students on caste terms and forcing Dalit students to clean toilets.

Chennai: As charges against the teacher were proved in an inquiry, the Chief Education Officer (CEO) R Ramesh placed Geetha, 45, the headmistress of Iduvai Government High School under suspension last week.

The CEO made a personal inquiry after a group of students raised a complaint against Geetha, who was working in the school for the last three years.

Taking suo-moto cognizance of the issue, the Commission had sent a notice to Tirupur

फिरोजपुर-फरीद

डा. आंबेडकर राष्ट्र वैश्विक नेता थे : फि

● आज देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा और आगे बढ़ने के

बाबा साहेब को श्रद्धासुमन भेंट करते विजय सांपला। (दा) मंगलवारों को सम्मानित करते कार्य

● डा. आंबेडकर का जीवन बड़ा व्यापक, विस्तृत और बहुआयामी था : रामगोपाल

फिरोजपुर, 6 दिसंबर (निकटस) : सामाजिक समरसता मंच फिरोजपुर द्वारा भारत रत्न बाबा साहेब आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में शीतला माता मंदिर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संत बाबा कर्म नाथ जी मतोली वाले कार्यक्रम में अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला मुख्यातिथि और हरियावल पंजाब संगठन के अध्यक्ष रामगोपाल मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजय सांपला ने कहा कि डा. बी आर आंबेडकर महानता में एक अनुसूचित जाति के नेता के बजाय एक राष्ट्र निर्माता और एक वैश्विक नेता थे। वह किसी एक जाति के नहीं बल्कि देश के समस्त नागरिकों के मसीहा थे। कुछ लोगों का मानना है कि वे समर्थों और ब्राह्मणों के विरोधी थे, लेकिन उनके जीवन में एक बार भी ऐसा मौका नहीं आया कि उन्होंने किसी भी एक वर्ग विशेष को कुछ सहारा बोला हो। वे कुछ व्यवस्थाओं को लेकर संघर्ष कर रहे थे। उनका संघर्ष कुछ मानवताओं से था। उनका संघर्ष उच्च जाति के लोगों से नहीं था इसलिए उनके इस सारे संघर्ष में सभी जातियों और वर्गों के लोग शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रामगोपाल ने कहा जीवन व का जीवन व बहुआयामी। है कि उनका विद्वानोंवाला व भारतीय सांवि बाबा साहेब संविधान निर्मा साथ अन्याय साहेब ने अप 6 दिसंबर 1 की प्रासंगिता विचारों की सकती है। इ है कि आज अनुसूचित अ उनके जैसे

Chennai: As charges against the teacher were proved in an inquiry, the Chief Education Officer (CEO) R Ramesh placed Geetha, 45, the headmistress of Iduvai Government High School under suspension last week.

The CEO made a personal inquiry after a group of students raised a complaint against Geetha, who was working in the school for the last three years.

Taking suo-moto cognizance of the issue, the Commission had sent a notice to Tirupur

03 सरहद केसरी मंगलवार, 07 दिसंबर 2021

सामाजिक समरसता मंच फिरोजपुर द्वारा डा. भीमराव अंबेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

● राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला मुख्यातिथि और हरियावल पंजाब संगठन के अध्यक्ष रामगोपाल रहे मुख्य वक्ता

● डॉ. अंबेडकर राष्ट्र निर्माता और एक वैश्विक नेता: विजय सांपला

● डॉ. अंबेडकर का जीवन बड़ा व्यापक, विस्तृत और बहुआयामी: डॉ राम गोपाल

Hindustan Times

National SC commission seeks report from Haryana Police

HT Correspondent
letterschd@hindustantimes.com

CHANDIGARH: The National Commission for Scheduled Castes (NCSC) on Friday asked the Haryana Police to take strict action against those behind lynching a man at a farmers' protest venue at Kundli near the Delhi-Haryana border. NCSC chairperson Vijay Sampla also sought a preliminary report from the Haryana Police within 24 hours.

A man was lynched, his hand chopped off and the body tied to a metal barricade at a farmers' protest venue at Kundli near the Delhi-Haryana border, a gruesome incident being blamed on a group of Nihangs. Sampla said the man identified as Lakhbir Singh belonged to the Scheduled Caste (SC) community.

Condemning the violence, Sampla termed it a heinous "Talibani crime".

Sampla said: "After watching a video that went viral, it seems activists of the farmers' organisations sitting on the protest have no fear of the law. No matter how big the mistake, no one has the right to kill anybody," Sampla said.

"Singhu Border is the main hub of the farmers' protest where the leaders and workers of various organisations have deployed 24-hour security. Even then, the Dalit man was brutally beaten, his had chopped off, brought near the same platform and then tied up with a rope and hung upside down, while the activists of farmer organisations acted as mute spectator," said Sampla.

He said the leaders of SKM, who immediately gives press statements even on small matters, took 12 hours to hold a press conference on the murder of the Dalit man.

(With PTI inputs)

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग मुख्यालय में माननीय अध्यक्ष श्री विजय सांपला, आयोग के अधिकारियों के साथ एक मामले की सुनवाई करते हुए। (ऊपर).
राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की टीम ने तमिलनाडू का आधिकारिक दौरा किया। इस दौरान आयोग के माननीय उपाध्यक्ष श्री अरूण हालदार को स्थानीय प्रशासन द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। (नीचे)

National Commission For Scheduled Castes

5th Floor, Lok Nayak Bhawan, Khan Market,
New Delhi-110 003